# पाप हरे मोरछड़ी | By Manish Brijwasi

मोरछड़ी हो तेरी मोरछड़ी
मोरछड़ी हो तेरी मोरछड़ी

मोरछड़ी, मोरछड़ी
मोरछड़ी, मोरछड़ी
बड़ी जादू भरी तेरी मोरछड़ी
बड़ी जादू भरी तेरी मोरछड़ी

दयानिधि आपने जो दीन ना तारे होते
पकड़ के बांह जो भव से ना उबारे होते
कौन दरबार में दातार आपके आता
कौन होके मगन गुणगान आपके गाता
रहती खाटू नागरिया तेरी सूनी पड़ी
बड़ी जादू भरी तेरी मोरछड़ी

जो आये द्वार उसके पाप हरे मोरछड़ी
मन को निर्मल करे संताप हरे मोरछड़ी
राजा महाराजा सबने आके सर झुकाया है
इसीलिए सांवरे ने शीश पे सजाया है
पल में हर लेती विपदा बड़ी से बड़ी
बड़ी जादू भरी तेरी मोरछड़ी

भक्त वत्सल हरी जब भी पुकारे जाते हैं
ह्रदय की वीणा के जब स्वर पुकारे जाते हियँ
शरण में आपकी जब भक्त धुन लगाते हैं
गरुण को छोड़ नंगे पाँव दौड़े आते हैं
सुनी टेर रुक ना सके एक घडी
बड़ी जादू भरी तेरी मोरछड़ी

मोरछड़ी की तरह ही नाथ निभा लो मुझको
नहीं सिर पे कहीं चरणों में छुपा लो मुझको
गुलामो की कड़ी में नाम लिखा दो मेरा
मेरे दातार सोया भाग्य जगा दो मेरा
ब्रजवासी किशन पेश कुछ ना पड़ी
बड़ी जादू भरी तेरी मोरछड़ी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%aa-%e0%a4%b9%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a4%9b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-by-manish-brijwasi/